शिवालिक मर्केन्टाइल को-ऑपरेटिव बैंक लि.

आपके हित का बैंक

शिवालिक मर्केंटाइल को-ऑपरेटिव बैंक ने मनाया 21 वाँ स्थापना दिवस

गुरुवार, 5 सितंबर, 2019 -

सहारनपुर: उत्तर प्रदेश के सबसे बड़े बहुराज्यीय सहकारी बैंक शिवालिक मर्केंटाइल को-ऑपरेटिव बैंक ने अपने मुख्यालय एवं शाखाओं में 21 वाँ स्थापना दिवस मनाया. इस मौके पे शिवालिक बैंक के सीईओ सुवीर कुमार गुप्ता ने कर्मचारियों एवं ग्राहकों को बधाई दी है उन्होंने कहा “हम ने समाज के इस उपेक्षित वर्ग के बीच में ईमानदारी व परिश्रम के साथ काम करते हुए अपनी पहचान बनाई है और उनका विश्वास अर्जित किया है।”

इस अवसर पर शाखाओं में ग्राहकों के लिए खेल का आयोजन किया और उनको सम्मानित किया गया ।

बैंकिंग सेवाओं में अपनी उत्कृष्टता के लिये पहचाने जाने वाले शिवालिक बैंक द्वारा अपने सभी ग्राहकों को अनेकानेक बैंकिंग सेवाएं प्रदान की जा रही हैं जिसमें व्यक्तिगत, व्यापारिक ऋण, व्यवसाय हेतु ऋण तथा माइक्रोफाइनांस शामिल हैं। साथ ही, बचत खाते, चालू खाते, दैनिक जमा खाते, आवर्ती खाते, एफ डी खाते आदि शामिल हैं। लॉकर, एटीएम कार्ड, बीमा सेवाएं, विदेशी मुद्रा का लेन - देन, आधुनिक पेमेंट सिस्टम आदि भी बैंक प्रदान कर रहा है।

शिवालिक बैंक प्रदेश के सर्वश्रेष्ठ और सबसे बड़े बहुराज्यीय बैंक के रूप में अपनी पहचान बनाते हुए लगभग 9000 स्वयं सहायता समूह आरंभ करके उन के साथ जुड़ चुका है और उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में अपनी 31 शाखाओं के माध्यम से महानगरों, कस्बों और सुदूर गांवों में बैंकिंग व बीमा सेवाएं प्रदान करता है। यही नहीं, शिवालिक बैंक ने ग्रामीण अंचल में अपने 3 व्यापारिक प्रतिनिधि कार्यालय भी खोले हैं।

शिवालिक बैंक - एक परिचय

शिवालिक मर्केंटाइल को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड ने 5 सितंबर 1998 को सहारनपुर के जिला स्तरीय सहकारी बैंक के रूप में अपनी एक शाखा के साथ बैंकिंग क्षेत्र में कदम रखते हुए अगले ही वर्ष पूर्णतः कंप्यूटरीकृत बैंकिंग का शानदार अनुभव अपने ग्राहकों को देना आरंभ कर दिया था। 2010 में शिवालिक बैंक ने बहुराज्यीय बैंक का दर्ज़ा हासिल करते हुए मध्य प्रदेश के धार जनपद के एक हानि दे रहे कमज़ोर बैंक का अधिग्रहण किया और एक वर्ष में ही उसको लाभ अर्जित करने वाली अपनी शाखा में परिवर्तित किया। इस सफलता से उत्साहित होकर बैंक ने इंदौर के एक और सहकारी बैंक का अधिग्रहण किया और यह शाखा भी निरन्तर उन्नति की ओर अग्रसर है। बैंक ने गरीबी की रेखा से नीचे जीवन जीने वाले ग्रामीण परिवारों को 9000 स्वयं सहायता समूहों के साथ जोड़ कर उनको वित्तीय समावेशन का लाभ दिया है। यही कारण है कि शिवालिक बैंक को अत्यन्त सम्मान के साथ देखा जाता है।